हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, बुधवार 6 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह का प्रवास कार्यक्रम

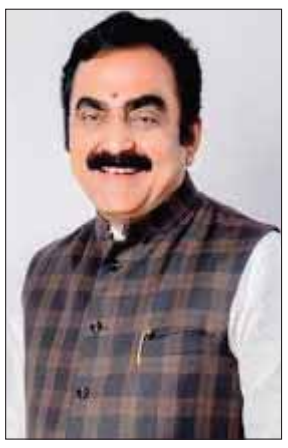

मण्डला। लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह 7 मई को दोपहर 1:30 बजे जिला छिंदवाड़ा से जेवरा रिपटा, जिला मंडला के लिए रवाना होंगे तथा सायं 6:30 बजे जेवरा रिपटा विकासखंड निवास पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कलेक्टर श्री धोटे ने की जल संसाधन एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग की समीक्षा

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जल संसाधन विभाग तथा नर्मदा घाटी विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का बारीकी से आंकलन किया गया। बैठक में अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन विभाग श्री संकल्प श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री श्री धनंजय कुशराम, अनुविभागीय अधिकारी श्री मुकेश कुमार मुड़िया, कार्यपालन यंत्री, नर्मदा घाटी विकास विभाग श्री चंद्रशेखर धुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी श्री सोमेन्द्र सूर्यवंशी, कार्यपालन यंत्री, हालोन श्री एम.एल. अलावा उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने जिले में निर्मित, प्रस्तावित और वर्तमान में चल रही निर्माणाधीन योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जो योजनाएं अभी निर्माणाधीन हैं, उनकी प्रगति की गति बढ़ाई जाए ताकि आम जनता को समय पर इनका लाभ मिल सके। जिले के पठारी और सूखाग्रस्त क्षेत्रों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने मंडला, नैनपुर, बिछिया, मवई, घुघरी एवं निवास तहसील के प्रभावित इलाकों में पेयजल और सिंचाई की पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन क्षेत्रों के लिए नई और प्रभावी कार्ययोजनाएं तैयार की जाएं ताकि जल संकट का स्थायी समाधान हो सके।

नगर कांग्रेस ने खनिज विभाग को दी चेतावनी

अब खदानों में जाकर होगा प्रदर्शन

*** माँ नर्मदा संरक्षण को लेकर समझौता बर्दाश्त नहीं।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले में प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम होता अवैध शराब का विक्रय एवं परिवहन और दूसरी ओर नियम विरूद्ध रेत का उत्खनन एवं परिवहन यह दो ऐसी समस्यायें वर्षो से मण्डला में व्याप्त है जो जिले के लिये और शासन के लिये जहां चिंताजनक है तो वहीं इन अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के लिये बड़ी मात्रा में पैसे कमाने का एक सरल जरिया है। जिले में ये दोनों अवैध कारोबार इसलिये फल-फूल रहे थे कि इनका विरोध करने वाला कोई नहीं था शासन-प्रशासन जहां इन्हें अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करता रहा वहीं विपक्ष की भूमिका निभाने वाली कांग्रेस भी उदासीन रही लेकिन अब लगता है कि कांग्रेस का जमीर जागा है और वह इन अवैध कारोबार के विरूद्ध नगर कांग्रेस सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रही है। कल इसी तरह रेत के अवैध कारोबार को लेकर खनिज विभाग का विरोध किया गया और चेतावनी दी गई कि 07 दिनों में व्यवस्थायें नियम अनुसार नहीं हुई तो फिर यह प्रदर्शन अब खदानों में जाकर होगा।

नर्मदा नदी के तट पर बसे मंडला जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा एक अनूठा और प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया गया। माँ नर्मदा से लगातार हो रहे अवैध खनन के विरोध में कार्यकर्ताओं ने खनिज अधिकारी की "शव यात्रा" निकालकर प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार, जिले में बहने वाली पवित्र माँ नर्मदा नदी, जो इस क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाती है, उसके तटों पर अवैध रेत उत्खनन और ओवरलोड परिवहन की शिकायतें लंबे समय से सामने आ रही हैं। नर्मदा नदी के किनारे बसे इस जिले में रेत खनन न केवल पर्यावरण के लिए खतरा बन रहा है, बल्कि शासन को राजस्व हानि और आम जनता के लिए दुर्घटनाओं का कारण भी बन रहा है। इसी के विरोध में नगर कांग्रेस कमेटी मंडला के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए और शहर में रैली निकालते हुए खनिज विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने खनिज अधिकारी का प्रतीकात्मक पुतला बनाकर उसकी शव यात्रा निकाली, जिसे शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए ले जाया गया। इस दौरान "अवैध उत्खनन बंद करो", "नर्मदा बचाओ" जैसे नारे लगाए गए।

जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एड राकेश तिवारी का आरोप है कि जिले में रेत का उत्खनन नियमों को दरकिनार कर किया जा रहा है तथा डंपरों के माध्यम से ओवरलोड परिवहन खुलेआम जारी है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि रॉयल्टी में गड़बड़ी के कारण शासन को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है, लेकिन संबंधित विभाग इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। नगर कांग्रेस के अध्यक्ष एड रजनीश रंजन उसराठे ने चेतावनी दी कि यदि अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर शीघ्र रोक नहीं लगाई गई, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि नर्मदा तटों पर हो रहे अवैध खनन की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

गौरतलब है कि मंडला जिला नर्मदा नदी के विस्तृत जलग्रहण क्षेत्र में स्थित है और यहां की पर्यावरणीय संतुलन में नदी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ऐसे में लगातार हो रहा अवैध उत्खनन न केवल प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि क्षेत्र की पारिस्थितिकी के लिए भी गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

नगरपालिका मंडला में पशु अवशेष प्रबंधन में लापरवाही पर मामला दर्ज, जांच शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

नगर पालिका परिषद मंडला के अंतर्गत पशु अवशेषों के निष्पादन में गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर पालिका द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना पशु अवशेषों को असुरक्षित तरीके से रखा गया, जिससे मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा उत्पन्न होने की आशंका जताई गई।

जाँच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित ठेकेदार द्वारा मृत पशुओं के अवशेषों का वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निस्तारण नहीं किया गया। बताया गया कि बड़ी संख्या में पशु अवशेष बिना उचित प्रक्रिया के खुले में रखे गए थे, जिससे संक्रमण फैलने की संभावना बनी हुई थी। इस संबंध में नगर पालिका द्वारा संबंधित विभागों को भी सूचित किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोप है कि इस लापरवाही से सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न हुआ, जो एक दंडनीय अपराध है।

पुलिस द्वारा मामले की जांच के लिए उप निरीक्षक श्री संजीव कुमार उइके को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांच के दौरान संबंधित दस्तावेजों, ठेके की शर्तों एवं कार्यप्रणाली की बारीकी से जांच की जा रही है।

प्रशासन का कहना है कि दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, नगरवासियों से भी अपील की गई है कि वे इस तरह की लापरवाही की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उचित कदम उठाए जा सकें।

जनगणना कार्य में सहयोग करे परिवार की सही जानकारी दे

भुआबिछिया। पूरे देश में राष्ट्रीय जनगणना का कार्य चल रहा है इसी तर्ज पर बिछिया नगर सहित आसपास ग्रामों टोल मोहल्ले में भी सुबह से शाम तक जनगणना करने वाले कर्मी तेज धूप में घर-घर घूमकर जनगणना का कार्य कर रहे हैं पहले पत्रक भरे जाते थे मगर अब कम समय में मोबाइल में जानकारी देनी होती हैं और जनगणना हो जाती कल समाजसेवी पत्रकार सुनील गर्ग के घर जनगणना अधिकारी प्रगणक रामप्रकाश मार्को टीचर झुलुप कन्हारी HLB 15 भुआ वार्ड नं 14 सुबह 11 बजे आए सुनील गर्ग ने अपने सहित पूरे परिवार की जानकारी दी, आप सभी से अपेक्षा करते हैं कि आप भी अपनी सही जानकारी जनगणना कर्मी प्रांगणक को देकर सहयोग करें।

शाम 4 बजे से बदला मौसम, धुंध छाई और तेज आंधी तूफान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

मई माह की शुरुआत ही आंधी तूफान बारिश से हुई है आज फिर सुबह से तेज धूप तापमान 40 के पार था और शाम होने के पूर्व 4 भी नहीं बजे थे घने बादल छा गए धुंध छाई आंधी तूफान बादल की गर्जना के साथ देर तक तेज बारिश ने सभी को चौका दिया और दिन में ऐसा लगा जैसे शाम के 7 बजे हो ऐसा मौसम बदला ओर अंधाधुंध बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया 5:30 बजे फिर तेज धूप निकल आई।

कई दिनों से लगातार तेज धूप ओर गर्मी से जहां लोग बेहाल थे वहीं अचानक मौसम बदला दिन में आंधी तूफान चला छूट पुट कही कही बारिश की बूंदाबांदी हुई मगर गर्मी तेज रही, विगत दिनों की भाती मौसम बदला आंधी तूफान के साथ बारिश हुई मगर आज तो दिन में शाम 7 बजे शाम का नजारा देखने को मिला दिन में अधेला छा गया फिर आंधी तूफान के साथ तेज बारिश ने मौसम विभाग द्वारा बताए जा रहे अनुमान को सही साबित कर दिया, मौसम विभाग के बताए अनुसार आगामी 7 मई तक बारिश आंधी तूफान चलने का सोशल मीडिया पर बताया गया है, एक बात जरूर हुई एक घंटे पानी गिरने से मौसम में ठंडक आई।

आज सुबह से बादल छाए थे मगर 10 बजे धूप निकल आई थी ऐसा नहीं लग रहा था कि मौसम बदलेगा मगर शाम होने के पूर्व काली धुंध छाई आंधी तूफान के साथ बारिश हुई जिससे लोगों के टीन टप्पर उड़े आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया, बारिश की वजह से लगातार बिजली की आपूर्ति बार बार बंद कर दी फिर पिछली रात्रि से लगातार बिजली की आवाजाही लगी है मौसम के बदलने से उमस बढ़ गई ओर फिर बिजली का बंद होना उमस भरी गर्मी से लोगों को बेहाल कर दिया ऐसे समय में बिजली विभाग से संपर्क नहीं हो पा रहा, जरा सी वारिश में ये हाल हे तो आने वाले समय में क्या होगा, मेंटेनेश के नाम पर बार बार समय लेना फिर थोड़ी सी बारिश में लाइट बंद क्या है कैसे चल रहा इतना बड़ा पावर हाउस बिजली वाले ने नगर सहित ग्रामों में भी यही हाल कर दिया है।

संदिग्ध हालत में मिले युवक के शव का पुलिस ने किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/भुआबिछिया

मंडला जिले के बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 01.05.2026 को सिझोरा हलोन नहर (कोसाबारी के पास) में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर थाना बिछिया पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची एवं मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान मृतक की पहचान संतु उईके (उम्र 50 वर्ष), निवासी ग्राम कुडैला के रूप में हुई।जांच उपरांत मामला हत्या का होना पाए जाने पर थाना बिछिया में अपराध क्रमांक 182/2026 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक मण्डला श्री राजेश रघुवंशी के निर्देशन एव एस डी ओ पी बिछिया सौरभ तिवारी के मार्ग दर्शन में टीम का गठन किया गया और विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि दिनांक 30.04.2026 की रात्रि करीब 01:00 बजे आरोपी सखरु उईके, पिता राम सिंह उईके, उम्र 47 वर्ष, निवासी ग्राम कुडैला (नया टोला), थाना बिछिया के द्वारा मृतक को मोटरसाइकिल से हलोन नहर के पास ले जाकर जादू-टोना के संदेह में पत्थर से मारपीट की गई तथा बाद में नहर में धक्का देकर डुबोकर हत्या करना काबुल किया पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में प्रयुक्त पत्थर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल अपने कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बिछिया निरीक्षक रंजीत सिंह सैयाम, उप निरीक्षक प्रवीण मालवीय, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश विजयवार, प्र.आ. अनिल मर्सकोले, आरक्षक अमृत मेरावी, सुनीराम मरावी, गजरूप उइे का विशेष योगदान रहा।

एसडीएम बिछिया एवं सीएमएचओ ने स्वास्थ्य और पोषण व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार एसडीएम बिछिया सुश्री सोनाली देव और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती ने मवई विकासखंड का संयुक्त भ्रमण किया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीनाला का निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं के स्टॉक और विभिन्न प्रकार की जाँच सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान टीम हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, चांदगांव और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, खिलौड़ी पहुँची। यहाँ आंगनवाड़ी के माध्यम से बच्चों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई।

जनसुनवाई | **संवेदनशीलता के साथ सुनी समस्यायें और समाधान के लिए अधिकारियों को दिये निर्देश।**

कलेक्टर श्री धोटे ने जनसुनवाई में सुनीं 109 शिकायतें

*** निराकरण समय-सीमा के भीतर हो यह भी कहा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

आम जनता की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए मंगलवार को जिला योजना भवन में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने जिले के दूर-दराज के क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कुल 109 आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर श्री धोटे ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने कई शिकायतों के मामले में 1 दिवस के भीतर निराकरण सुनिश्चित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने उपस्थित जिला अधिकारियों को कहा कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए।

संम्पन्न हुई जनसुनवाई में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कलेक्टर शैलेन्द्र चौधरी, संयुक्त कलेक्टर हुनेद्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सब्जी मंडी में सट्टे का बड़ा खेल, पुलिस पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला जिले की मुख्य सब्जी मंडी इन दिनों अवैध गतिविधियों का अड्डा बनती जा रही है। यहां खुलेआम करोड़ों रुपये के सट्टे का खेल संचालित होने की बात सामने आ रही है। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा खेल शहर के व्यस्त क्षेत्र और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के सामने ही संचालित हो रहा है, जहां दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है।

सूत्रों के अनुसार, सब्जी मार्केट के भीतर कुछ लोग नियमित रूप से सट्टा लिखने और खिलाने का काम कर रहे हैं। इस अवैध कारोबार में प्रतिदिन लाखों रुपये का लेन-देन होने की बात कही जा रही है, जिससे हर महीने यह आंकड़ा करोड़ों तक पहुंच रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस पूरे मामले की जानकारी पुलिस को भी है, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। लोगों का कहना है कि सट्टा संचालकों द्वारा हर महीने कथित रूप से पुलिस तक पैसे पहुंचाए जाते हैं, जिसके चलते यह अवैध धंधा बेखौफ जारी है।

वहीं, आम नागरिकों में इस स्थिति को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि इस तरह खुलेआम अवैध गतिविधियों का संचालन कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है और युवाओं को भी गलत दिशा में ले जा रहा है।

अब देखना होगा कि इन गंभीर आरोपों के सामने आने के बाद प्रशासन और पुलिस विभाग क्या कदम उठाता है, और क्या सब्जी मंडी में चल रहे इस कथित सट्टा कारोबार पर लगाम लग पाएगी या नहीं।

खबर संक्षेप

धडल्ले से काटे जा रहे सड़क किनारे लगे हुए हरभरे वृक्ष

साईंखेड़ा। जहां एक ओर शासन प्रशासन द्वारा प्रतिवर्ष हरियाली महोत्सव मनाते हुए वृक्षारोपण करते हुए पेड़ लगाये जाने के नाम पर लाखों रूपया खर्च करते हुए अधिकारियों व नेताओं द्वारा फोटो निकालवाते हुए अखबारों में प्रकाशित करते हुए वाही वाही लूटी जाती है? मगर वही दूसरी ओर इस समय सड़को के किनारे लगे हुए हरे भरे वृक्षों पर जिस प्रकार से धडल्ले से कुल्हाडी चल रही है उस ओर किसी के द्वारा ध्यान नही दिये जाने से संपूर्ण हरियाली उत्सव पर सबाल खड़े होते हुए जान पड़ रहे है? बताया जाता हे कि इस समय क्षेत्र में लगे हुए हरे भरे वृक्षों की कटाई का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा हैं, जिसमें बताया जाता है कि इस समय सक्रिय लकड़ी चोरो से जुड़े हुए लोगों द्वारा झिकोली सांईखेड़ा से लेकर पिपरिया मार्ग के तिराहे ग्राम पिठहरा तक सड़क किनारे लगे हुए आम के पेड़ों को पहले किसी दबा का उपयोग करते हुए उन्हें सुखाया जाता है, इसके बाद उन्हें धडल्ले के साथ दिन दहाड़े काटते हुए गायब कर दिया जाता है, जबकि गौर किया जावे तो इस मार्ग से जहां प्रतिदिन पुलिस अधिकारियों के साथ साथ अन्य विभाग के अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी के द्वारा ध्यान नही दिया जाना चिंता का विषय बनता जा रहा है? इतना ही नही वन विभाग की भूमिका पर गौर किया जावे तो वन विभाग का अमला इस क्षेत्र में कभी आने की जरूरत भी नही समझता है, जिसके चलते लकड़ी चोरों के हौसले पूर्णरूप से बुलंद नजर आ रहे है? लोगों का कहना है कि वर्षो पूर्व सड़क के किनारे लगाये ये आम के पेड़ गर्मियों में छाया देने के साथ फल भी देते है, परन्तु कतिपय स्वार्थी लोगों द्वारा इन हरे भरे वृक्षों की कटाई धड़ल्ले से की जा रही है जिसके चलते जहां पर्यावरण बिगड रहा है।

आंगनबाडियों में मंगल दिवस योजना बदहाल, सक्षम अधिकारियों की कार्यशैली पर खड़े हो रहे सबाल?

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ अपने गंतव्य स्थानो पर पहुंचा तो दी जाती है, किन्तु उसके संचालन के लिए जिन अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंपी जाती है वे पूरी तरह से लापरवाही की भेंट चढ़ जाती है। कुछ ऐसा ही जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र की अनेक आंगनवाड़ियो मे देखने को मिल रहा है, जहां मंगल दिवस योजना अमंगल दिवस बनती नजर आ रही है? दर असल आंगनवाडी केन्द्रो मे पोषण आहार योजनार्तगत हर माह के मंगलवार के दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। किन्तु इन कार्यक्रमो में भी जमकर पलीता लगाते हुए जान पड़ रहा है? ग्रामीण क्षेत्रों में जन चर्चाओं के माध्यम से मिल नही जानकारियों के अनुसार अनेक आंगनवाड़ियों में यह योजनाए बराबर संचालित नही होती है, जिसमें देखा जावे तो सबसे दयनीय हालत ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों के आंगनवाडी केन्द्रों की है जहां न तो विभाग के अधिकारी और न ही कोई कर्मचारी निरीक्षण करने पहुंचता है? ऐसे में नाम मात्र की कार्रवाई कर दी जाती है। इन आंगनवाडियों की स्थिति की सच्चाई पर गौर किया जाए तो वे बदहाल स्थिति से जूझ रही है न वहां बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है और न ही सामान रखने की है। वही कुछ आंगनवाडी भवनों की हालत जर्जर हो चुकी तो कुछ टूटे मकानों में संचालन हो रहा है। इस तमाम बातो पर ध्यान तो ऐसे में योजनाओं का संचालन कैसा होगा यह स्वयं सिद्व है, पर्याप्त मात्रा में आने वाली राशि कब और किधर जा रही है इसका कोई पता भी नही, जिन कार्यक्रमों का संचालन किया जाना चाहिए उसके लिए सामग्री भी नही मिलती ओर मिलती भी है तो गायब हो जाती है। आंगनवाड़ियों के माध्यम से बच्चो, महिलाओं और किशोरी बालिकाओं की देखभाल और उनके स्वास्थ्य मे सुधार लाने के लिए जो तैयारियां की गई है उसमे दिल चस्पी ना तो आंगनवाड़ियो की कार्यकर्तता और सहायिकाओं में है और ना ही अधिकारियों मे, आंगनवाडियों मे मंगल दिवस योजना पोषण आहार योजना वर्ष 2007-08 के तहत बनाई गई है।

नगर के चीचली तिरहा सहित दूर संचार केन्द्र के सामने सड़क पर लगने वाले साप्ताहिक बाजार की अनदेखी बन सकती है किसी दिन बड़ी घटना का कारण

दुकानदारों के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी को पैदा हो रहा खतरा....

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि नगर की सुन्दर बनाने से लेकर आम लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए नगर पालिका द्वारा नगर के विकास में कोई कसर छोड़ी जा रही हो..? मगर इसके बाद भी नगर की संपत्ति पर जिस प्रकार से अन्य व अपात्र लोगों द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है उसके चलते उसके सही हकदार माने जाने वाले लोगों को लाभ नही मिल पाने के कारण उन्हें परेशान होते हुए आसानी से देखा जा सकता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर पालिका के अंतर्गत जहां तहां स्थापित काम्लेक्सों के साथ साथ सब्जी बाजारों में देखने मिल रही है । जहां पर नगर पालिका द्वारा बनाये गये इन काम्पलेक्सों पर इस प्रकार के लोगों द्वारा अपना कब्जा जमा लिया गया है जिसके चलते उन वास्तिक हकदारों को लाभ नही मिल पा रहा है तो दूसरी ओर इन काम्पलेक्सों जबरन अतिक्रमण होते हुये दिखाई दे रहा है। यदि नगर पालिका के काम्पलेक्सों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक प्रभावशालियों द्वारा इन काम्पलेक्सों को अपना नाम कराते हुए उन्हें अन्य लोगों को किराय पर देकर जहां मनमानी राशि बसूलते हुए खुद माला माल हो रहे है जबकि अनेक लोगों द्वारा बीते हुए लम्बे समय से इन काम्लेक्सों का नगर पालिका में अभी तक किराया नही भरने के कारण बाकी निकल रहा है..? इतना ही नही अनेक लोगो द्वारा तो नियम विरूद्व इन काम्पलेक्सों की दुकानों में तोड फोड करते हुए उनके वास्तविक रूप के साथ तक खिलबाड़ करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। वही कुछ काम्पलेक्सों की दुकानों में तो स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह खाली पड़ी होने के कारण लोगों द्वारा मन माफिक अपना कब्जा जमाने में भी कोई कसर नही छोड़ी गई है जिसके चलते नपा को राजस्व की हानि होते हुए दिखाई दे रही है। जबकि काम्पलेक्सों के नियम के अनुसार तो यह बताया जाता है कि जिस व्यक्ति द्वारा जिस काम्पलेक्स में दुकान नपा से किराय से ली गई है वही व्यक्ति दुकान का संचालन कर सकता है किराय से देना या फिर किसी भी प्रकार की तोड़ फोड करना नियम विरूद्व माना जाता है। मगर इसके बाद भी नगर के काम्पलेक्सों की अनेक दुकानों को नियम विरूद्व किरायदार टू किरायदार स्थिति में संचालित होते हुए देखा जा रहा है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत चीचली की ओर जाने वाले क्षेत्र की देखने मिल रही है जहां पर सब्जी दुकानदारों के लिए बनाई गई दुकानों में अन्य व्यक्तियों द्वारा नियम विरूद्व कब्जा जमाने में भी कोई कसर नही छोड़ी गई है जिसके चलते देखा जा रहा है कि यहां पर सब्जी दुकानदार अपनी जान को खतरे में डालते हुए सड़क किनारे बैठने के लिए मजबूर देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर उस सब्जी मार्केट की दुकानों पर प्रभावशाली अपना कब्जा जमाये बैठे हुए है..? जबकि यहां की सच्चाई पर गौर किया जावे तो स्टेशन के पास चीचली मार्ग पर लगने वाले इस सब्जी बाजार के चलते आये दिन यातायात व्यव्स्था भी प्रभावित होते हुए देखी जा रही है, जिसको सुधारने के संबंध में कुछ साल पहले जब तत्कालीन पुलिस अधीक्षक डी एस भदौरिया द्वारा नगर में प्रथम आगमन हुआ था तो उनके द्वारा इस प्रकार से यहां पर पैदा होने वाली यातायात समस्या के निदान को लेकर सख्त आदेश जारी किये गये थें। मगर इसके बाद भी यहां पर लगने वाले प्रति सोमवार को साप्तााहिक बाजार के दौरान अभी भी लोगों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है और न ही वर्तमान में बैठे हुये पुलिस अधिकारियों द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है? इस साप्ताहिक बाजार में बाहर से अपनी सब्जी सहित अन्य दुकान लेकर आने वाले दुकानदार जिस प्रकार से सड़क किनारे अपनी दुकान लगाते हुए बैठ जाते है जिसके चलते यहां से निकलने वाले वाहनों के कारण इन दुकानदारों की जान को खतरा पैदा तो होता ही है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी भी खतरे से खाली नही रहती है वही दूसरी ओर वाहन चालकों के लिए भी परेशानियों से जूझते हुए देखा जाता है। यदि इन दुकानदारों को नपा द्वारा बनाई गई इन छोटी दुकानों पर जगह उपलब्ध करा दी जावे तो निश्चित ही जहां यातायात की समस्या से निदान पाया जा सकता है? मगर पता नही नपा द्वारा निर्मित की गई इन दुकानों पर कुछ लोगों द्वारा किसकी अनुमति से कब्जा जमा लिया गया है जिसके चलते सब्जी दुकानदारों को यह दुकान उपलब्ध नही हो पा रही है..? यदि इन दुकानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो जहां अनेक दुकानों पर मांसाहारी व अन्य प्रकार की सामग्री तक बिकते हुए देखी जा रही है जिसके चलते इस प्रकार से मांसाहारी होटल के संचालन के कारण सबसे अधिक प्रभावित उन स्कूली बच्चों को होते हुये देखा जा रहा है परेशानी का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि वह प्रतिदिन यहां पर मांस को विक्रय होते हुए देखते है? जबकि नियम अनुसार किसी भी शासकीय शिक्षण संस्था या फिर मंदिर तथा रहवासी क्षेत्रों में इस प्रकार से मांसाहारी होटलों का संचालन नियम विरूद्व माना जाता है। मगर इस ओर किसी के द्वारा ध्यान ही नही दिये जाने का परिणाम है कि अब इन दुकानों पर लगातार कब्जा होते हुए दिखाई देने लगा है? इस तरह नगर में मुख्य सड़क पर लगने वाले साप्ताहिक सब्जी बाजारों की अनदेखी निश्चित तौर से किसी दिन भारी पड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? क्योंकि नगर से चीचली की ओर जाने वाला मार्ग जहा पर हर सोमवार को साप्ताहिक बाजार लगता है तो दूसरा नगर के पलोटन गंज से जमाडा की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग यानि की दूर संचार कार्यालय के ठीक सामने मुख्य सड़क पर लगने वाला यह बाजार दुकानदारों से लेकर आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालते हुये दिखाई दे रहा है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद भी प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अनदेखा किया जाना किसी दिन बडे भयानक खतरे के रूप में दिखाई देने से नही चूक पायेगा....?

ब्रह्मा कुमारी द्वारा बच्चों के लिए समर कैंप का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्थानीय प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा गर्मी अवकाश के चलते बच्चों के लिए मनोरंजक, ज्ञान वर्धक और संस्कार वान बनाने हेतु विशेष समर कैम्प का आयोजन किया गया है। बताया जाता है कि यह समर कैम्प 14 मई 2026 तक लक्ष्मी टाउनशिप, गाडरवारा में चलेगा । आयोजित कैम्प में प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से 11बजे तक आयोजित होगा , शिविर में विशेष रूप से राजयोग मेडिटेशन द्वारा एकाग्रता बढ़ाना,.नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों की शिक्षा,वैल्यू बेस्ड गेम्स एवं मनोरंजक गतिविधियाँ, ड्राइंग / स्पीच / डांस / क्विज़ प्रतियोगिताएँ,सकारात्मक सोच एवं तनाव मुक्त रहने के उपाय,रोचक कहानियाँ, गीत एवं प्रेरणादायक गतिविधियाँ दैनिक टेस्ट / पेपर गतिविधियाँ,प्रतिभागियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। यह शिविर बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, अच्छे संस्कार एवं रचनात्मकता विकसित करने का सुनहरा अवसर है। अतः अधिक से अधिक संख्या में अपने बच्चों को इस शिविर में भेजकर उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहयोग करें।

सूरज की तपन से मानव जीवन से लेकर पशु पक्षी भी परेशान, पानी के लिए भटक रहे मूक पशु

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

इन दिनों भीषण गर्मी अपने शबाब पर रहने से सूर्यदेव के रौद्र रूप दिखाने से नगर की गलियो में सन्नाटे का आलम जहां दिखायी दे रहा है। वही धूप की चुभन के दौरान लोगों का सड़कों पर चलना दूभर हो रहा है। इस प्रकार से देखा जा रहा है कि गर्मी के तेवर तीखे होते जाने से शहर की जीवन रेखा शक्कर नदी की जल राशि समाप्त हो चुकी है और शहर का जल स्तर भी कम होने लगा है, जिसके चलते जहां मूक पशु पीने के पानी को लेकर परेशान नजर आ रहे है। वही दूसरी ओर पक्षियों को भी गर्मी के चलते ठंडक पाने के लिए भटकते हुए देखा जा रहा है। स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि गर्मी का असर सबसे ज्यादा उन पक्षियों पर पड़ रहा है जिसके चलते वह पानी की खोज में भटकते हुए देखे जा रहे है। हालत यह है कि गर्मी के भीषण होते जाने से दोपहर में पक्षियों की आवाज कम सुनी जा रही है और शहर का वातावरण अजीब हो गया है। गौरतलब है कि गर्मी के एकाएक बढ़नें का विपरीत असर जन स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। इस समय लगातार बढ़ती जा रही गर्मी से परेशान शहरवासियो का कहना है कि गर्मी तो अपना असर दिखाने बेताब है पर उससे पीड़ति होने वालों की सुध जिम्मेदारो द्वारा नही ली जा रही है, नगर के कई वार्डो में गंदगी के लगे अम्बारो को हटाने, चोक नालियॉ खोलने व नगर के अनेक वार्डो में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था न होने से माहौल जिस तरह प्रदूषित हो रहा है उसके चलते नगर के लोगों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर इन समस्याओं पर संबंधित प्रशासन कम ध्यान दे रहा है, जिसका नतीजा है कि शहरवासियो को बढ़ती जा रही गर्मी के दिन व्यतीत करना तो मुश्किल हो ही रहा है वही दूसरी ओर रात में मच्छरो की वजह से उनको सुख की नींद भी नसीब नहीं हो रही है, ज्ञातव्य है कि गर्मी के बढ़नें का असर क्षेत्र के जन जीवन पर भी पड़ने लगा है।

ओवर लोडिंग वाहन बन रहे दुर्घटनाओं का कारण, पुलिस द्वारा किया जा रहा नजरअंदाज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र में आये दिन घटित होने वाली घटनाओं को लेकर यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र की सड़कों पर जिस प्रकार से ओवर लोडिंग वाहनों की धमाचौकड़ी मची हुई देखी जा रही है वह सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण साबित होने से नही चूक पा रहे है, जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो आये दिन पुलिस प्रशासन द्वारा ओवर लोड़गि वाहनों सहित नियम विरूद्व वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही किये जाने की बात तो कही जाती है, मगर सड़को पर इस प्रकार से दौड़ने वाहन ओवर लोडिंग वाहनों को नजर अंदाज किया जाना निश्चित ही पुलिस की उदासीन कार्य प्रणाली को उजागर करने से नही चूक पाता है? क्योंकि इस समय क्षेत्र की सड़कों पर जिस प्रकार से डेयरी संचालन करने वालों द्वारा ट्रेक्टर ट्रालियों में भूसा ढोने का कार्य किया जा रहा है उन ट्रालियों में भूसा भरने के लिये वह सभी नियमों का दर किनार करते हुये जिस प्रकार से भरते हुये देखे जा रहे है उसके चलते जब भूसा भरा हुआ यह वाहन मुख्य सड़को से गुजरता है तो वह पूरे मार्ग के यातायाता में व्यवधान पहुंचाने में जहां कोई कसर नही छोड़ता है, वही दूसरी ओर ओवर लोडिंग स्थिति में भरे हुये इस वाहन को यदि कोई अन्य वाहन चालक ओवर टेक करते हुये आगे निकलने का प्रयास करता है तो उसे सामने से आने वाला वाहन दिखाई देता ही नही और जिसके चलते बड़ी घटनाएं घटित होने से नही चूक पाती है, क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से ओवर लोड स्थिति में भूसा ले जाने वाले वाहनो के खिलाफ कार्यवाही करना चाहिये, मगर पुलिस प्रशासन इस ओर किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि आम लोगों की जिन्दगी खतरे में पड़ने से नही चूक पा रही है।

नगर के शांतिदूत तिराहा से लेकर शहनाई गार्डन मार्ग पर होने वाली शराब खोरी से आम लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आये दिन स्थानीय पुलिस थाने में आयोजित होने वाली बैठकों में पुलिस अधिकारियों द्वारा नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिए बड़ी बड़ी बाते तो की जाती है? मगर यदि उन्हें सच्चाई में देखा जावे तो सिर्फ वह बाते उसी बैठक तक ही सीमित होती हुई नजर आती है? इस बात की सच्चाई वर्तमान में नगर में दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि शाम होते ही जिस तरह नगर के शांतिदूत तिरहा से लेकर शहनाई गार्डन के बीच खाली पड़े हुये मैदानों पर शराब खोरी करने वाले लोगों की महफिले जमते हुये देखी जा रहे है उसके चलते इस मार्ग से आम लोगों का निकलना मुश्किल होने से नही चूक रहा है..? क्योंकि जहां यह स्थानीय राज्य स्तरीय प्रमुख मार्ग होने के चलते 24 घंटे लोगों का आना जाना बना रहता है। वही दूसरी ओर यही से नगर की एमपीईबी कालोनी के लोगों का निकलना होता है। इस स्थिति में शराब खोरी करने वाले मुख्य मार्ग पर ही जमाड़ा लगाते हुये जिस तरह शराब पीने के बात उत्पात मचाते हुये देखे जाते है उसके चलते इस राज्य स्तरीय मार्ग पर शाम के समय सभ्य लोगों का विशेष तौर से महिला वर्ग का निकलना मुश्किल होने से नही चूक रहा है। कुछ इसी प्रकार से हाल स्थानीय खेल ग्राउंड व स्थानीय शासकीय चिकित्सालय के पास बनी नई बाउन्ड्री बाल के पास प्रतिदिन शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है,जिसके कारण इन स्थानों से निकलने वाले लोगों को जहा परिशानियों का सामना करना पड़ता है। वही यदि इस मार्ग से कोई भूल बस महिलाओं का निकलना होता है तो इन शराबियों की छीटाकशी के चलते उसे अपमानित तक होना पड़ता है..? वही शराब खोरी करने वाले मनचनों की छीटाकशी का शिकार होकर महिलाओं को अपमान का कड़वा घूट पीना पडं रहा है।

ट्रेनों में सीट सुरक्षित करने ट्रेक पार कर यात्री

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर के रेलवे स्टेशन पर रेलयात्री सुविधाएँ मॉगने के हकदार है। किन्तु जान जोखिम में डाल उनका ट्रेनो में सफर करने को आतुर रहना उचित नही कहा जा सकता। गौरतलब है कि इन दिनों चुनावी महौल के कारण रेलवे स्टेशन के दोनो प्लेटफार्मो पर रेलयात्री बच्चो, युवाओं, महिलाओं की काफी भीडभाड़ का आलम रहता है, इस दौरान जब भी कोई ट्रेन रूकती है तो उसमें सीट सुरक्षित करने के लिए अधिकतर यात्री अपनी जान की परवाह न कर सीट की जुगाड़ में लग जाते है। हालत यह है कि कभी रूकने के लिए रेंगती ट्रेनो में उनके द्वारा चढ़नें की कोशिश की जाती है। बताया जाता है कि कई रेलयात्री ट्रेनो में सीट सुरक्षित करने के चलते ट्रैक पर खड़े हो जाते है, जब प्लेटफार्म कूद ट्रैक पार करना अपने आम में खतरे से खाली नही रहता, शहरवासियो ने रेल पुलिस से गुहार लगायी है कि स्टेशन पर ट्रेनो के आने के समय वह प्लेटफार्मो पर विशेष चौकासी बरते और रेलो में जगह पाने के लिए ट्रैक का इस्तेमाल करने वाले रेलयात्रियो को ट्रैक से हटा प्लेट फार्मो पर ही बैठकर ट्रेनो में चढ़ने की हिदायत दे।

दम तोड़ रही युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं, बैकों में जाकर अटक रही फाईलें

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश की सरकार द्वारा शिक्षित बेरोजगारो को रोजगार मुहैया कराने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि यह योजनाएं बैंको की मनमानी के चलते दम तोड़ रही है? गौर किया जावे तो अनेक रोजगार मूलक योजनाओं के आंकड़े बेहद चौकाने वाले है जो हर वर्ष बैंको की हठधर्मी की वजह से योजनाओं के लक्ष्य की पूर्ति नही हो पा रही है? ऐसे में युवा की जिन्दगी संभालने के लिये चलाई जाने वाली योजनाओं के नाम पर खुद को छला महसूस कर रहे है। स्वरोजगार पाने की खातिर अनेक युवा बैंको के चक्कर काट काट कर परेशान होकर थक गये है, वही दूसरी ओर देखा जावे तो शिक्षित बेरोजगारो की उम्मीदे दम तोड़नें लगी है? बैंको द्वारा सहयोग नहीं किये जाने से विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत ऋण प्रकरणो में से आाधे हितग्राही भी लाभांवित नही हो पाते, बैंको में स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरण भेजने के बाद वहां से शिक्षित बेरोजगारो को ऋण मिलना टेडी खीर साबित हो रहा है? युवाओं द्वारा स्वरोजगार योजनाएं के लिए दिये गये आवेदन के संबंध में जब संबंतिध अधिकारियों से चर्चा की जाती है तो वहां पर बताया जाता हे कि उनके द्वारा प्रकरण तैयार करते हुए बैकों में भेज दिया गया है, मगर बैको में अधिकारी बात करने के लिए भी तैयार नही होते है, जिसके चलते प्रदेश की सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं लगातार फेल होती हुए जान पड़ रही है? सही मायने में देखा जावे तो युवाओं को लेकर सरकार द्वारा योजनाये संचालित करते हुये उन्हें पैरों पर खड़े करने की बात तो कही जाती है मगर वह मात्र एक औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नही चूक पाती है।

बुनियादी सुविधाएं न मिलने से खिलाड़ी निराश

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

सर्दी का मौसम में क्रिकेट, बालीवाल हाकी तथा अन्य तरह के खेलों में रूचि रखने वाले युवाओं, किशोरों व बच्चों के लिए उपयुक्त रहता है, किन्तु इन दिनों जब सुबह ठंड पड़ने लगती है तब कही भी खेल प्रतिभाएं अपना प्रदर्शन करती नजर नही आ रही है, जिसका मुख्य कारण यह बताया जा रहा है कि खिलाड़ीयों को जो जरूरी सुविधाएं मिलनी चाहिए उनसे वह बंचित नजर आ रहे है। जानकार सूत्रों के अनुसार शहर की अधिकतर शालाओं में खेल संसाधनों की कमी तो है ही साथ ही प्रशासन ने भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने कोई प्रयास नही किये है, जिसका नतीजा यह है कि जो युवा किशोर बेहतर ढंग से क्रिकेट खेल शहर का नाम प्रदेश ही नही बल्कि देश में रोशन कर सकते है वे निराश होते चले जा रहे है और शहर की खेल गतिविधियों पर विराम लग गया है? गौरतलब है कि क्रिकेट खेलने वालों के लिए पुराने कालेज ग्राउंड पहले काफी अच्छा माना जाता था किन्तु इस ग्राउंड पर वर्तमान समय में जिस प्रकार से शराब खोरी होने और इस विशाल खेल मैदान की व्यवस्थाओं में सुधार न होने से खिलाड़ियों के आरमानों पर पानी फिरने से नही चूक पा रहा है।

खबर संक्षेप

उमरिया रोड पुल पर जलभराव से बढ़ी परेशानी, पाइप लाइन और केबल लाइन बनी बाधा

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। नगर के उमरिया रोड स्थित पुल पर हर बारिश में होने वाला जलभराव अब आमजन और छात्र-छात्राओं के लिए गंभीर समस्या बन गया है। वार्ड क्रमांक 02 के रहवासियों ने इस संबंध में एसडीएम शहपुरा को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुल के ऊपर से गुजर रही पेयजल पाइप लाइन तथा नेटवर्क केबल लाइन के कारण पानी निकासी के लिए बने छेद अवरुद्ध हो गए हैं। इसके चलते बारिश का पानी पुल पर ही भर जाता है और आवागमन बाधित हो जाता है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं स्कूल और कॉलेज जाते हैं। जलभराव के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार पानी भर जाने से कपड़े खराब हो जाते हैं और दोपहिया वाहन चालकों को जोखिम उठाकर निकलना पड़ता है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।रहवासियों ने सुझाव दिया है कि पुल पर बिछी पाइप लाइन और केबल लाइन को हटाकर बाहर से व्यवस्थित किया जाए ताकि निकासी के छेद पुनः चालू हो सकें और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो सके।नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि आमजन और विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शीघ्र जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अयोध्या-वाराणसी (काशी) की तीर्थ यात्रा के आवेदन की अंतिम तिथि 17 जुलाई

अनूपपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 31 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक अनूपपुर जिले के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या-वाराणसी (काशी) की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। अयोध्या-वाराणसी (काशी) की तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 17 जुलाई है। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। योजना के अंतर्गत 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति, जो अकेले यात्रा करने के लिए आवेदन करते हैं, उन्हें एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी।

डिंडौरी में दर्दनाक सड़क हादसा

कार-पिकअप भिड़ंत में मां-बेटे की मौत, 2 गंभीर

डिंडौरी। जिले के गाड़ासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत रत्ना गांव के पास मंगलवार को जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार और पिकअप वाहन की आमने-सामने की टक्कर में कार सवार मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा मंगलवार शाम करीब 3:30 से 4 बजे के बीच हुआ। मंडला जिले से इलाज कराकर लौट रहे किशन लाल साहू (29) अपनी मां प्यारी बाई (72) और भाभी गायत्री साहू (35) के साथ आर्टिका कार (MP 20 ZH 0453) में सवार थे। जैसे ही उनका वाहन रत्ना गांव के पास पहुंचा, अमरकंटक की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप (MP 20 ZM 9440) से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और पिकअप वाहन पलट गया। हादसे में किशन लाल साहू और उनकी मां प्यारी बाई की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गायत्री साहू और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही गाड़ासरई पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायलों को वाहन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। वहीं, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।थाना प्रभारी अमृत लाल तिग्गा के अनुसार, पिकअप वाहन को जब्त कर लिया गया है, जो जीआरटीसी सड़क निर्माण कंपनी का बताया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दोनों वाहनों के टायर निकलकर सड़क पर बिखर गए थे, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों की ओर इशारा करता है। प्रशासन ने वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक ड्राइविंग करने की अपील की है।

झमाझम बारिश ने दिलाई गर्मी से राहत

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। मौसम विभाग के पूर्वानुमान अनुसार जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से मौसम साफ एवं तेज धूप के कारण लोग गर्मी से भारी परेशान हो रहे। परंतु शाम होते ही लगभग 4 बजे से झमाझम बारिश का दौर शुरू हुआ जोकि लगभग डेढ़ घंटे तक जारी रहा। जिससे गर्मी में ठंडक घुलने से लोगों को भीषण गर्मी से कुछ हद तक राहत महसूस की जा रही हैं। लोगों का मानना हैं कि रात तो सुकून से कटेगी। वैसे भी बिजली के आवाजाही से परेशानी तो होती ही हैं। क्योंकि बिजली के अघोषित कटौती से भारी गर्मी का सामना करना पड़ता हैं। परंतु यह बेमौसम बारिश से कुछ हद तक राहत महसूस की जा रही हैं।

विधायक की उपस्थिति में भाजपा मंडल अमरपुर की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आहवान पर भाजपा मंडल अमरपुर की अनिवार्य बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे देश में भाजपा की लहर चल रही हैं। जोकि ऐसे ही सम्भव नहीं हुआ इसके लिए भाजपा की रणनीति एवं कार्यकताओं की कड़ी मेहनत के कारण यह सफलता सम्भव हो सकी हैं। हमको भी इसी रणनीति में काम करने जरूरत हैं भाजपा संगठन के लोगों को अपने अपने प्रभार वाले गांवों का भ्रमण कर चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं की ग्रामीण को

देकर उनके सुख दुःख में शामिल होना चाहिए। बैठक को मण्डल अध्यक्ष आकाश नामदेव ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा संगठन देश के हर राजनैतिक संगठन से अलग संगठन हैं। यहां मतदान केंद्र स्तर से काम शुरू होकर राष्ट्रीय स्तर तक जाता हैं। जहां हर स्तर के कार्यकर्ता अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए भाजपा को जीत दिलाते हैं। यही कारण हैं कि आज भाजपा शिखर पर हैं। बैठक में भाजपा के जिला महामंत्री बद्री साहू, जिला मंत्री मालती तिवारी, मण्डल उपाध्यक्ष माखन साहू, रामकिशोर राजपूत, राजरानी परस्ते, संदीप पट्टा, संतोषी रघुवंशी, कमलेश मरावी, मण्डल कोषाध्यक्ष रामनाथ उद्दे, राय सिंह नेताम, महामंत्री रामकुमार वनवासी, रीतेश उसराठे, नितिन शुक्ला, मनीष ठाकुर, लाल सिंह ठाकुर, वलदेव तिलगाम आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संत शिरोमणि सतगुरु कबीर साहेब पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में कबीर पंथियों ने सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी। मंगलवार को सिटी कोतवाली में एसकेडीव्ही सतगुरु कबीर धर्मदास वंशावली मिशन एवं समस्त कबीर पंथियों ने इष्ट सदगुरु कबीर साहेब के संबंध में सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने एसआई भीपेंद्र पाठक को शिकायत पत्र सौंपकर दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की।मध्यप्रदेश एसकेडीव्ही मिशन की राज्य उपप्रतिनिधि सुश्री वंदना मानिकपुरी ने बताया कि 4 मई को प्रभु नारायण परमार पिता बाबूराम परमार निवासी ग्राम बामौरा तहसील एवं जिला उज्जैन थाना चितावन जवासिया क्षेत्र द्वारा सोशल मीडिया पर सतगुरु कबीर साहेब के संबंध में अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए टिप्पणी की गई है। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी जगत कल्याणकारी संत के प्रति अपमानजनक है और इससे कबीर पंथ को मानने वाले लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। कबीर पंथियों ने मांग की है कि इस प्रकार की टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया जाए। इस दौरान वंदना मानिकपुरी प्रशांत चंदेल जागेश्वर

टाडिया एडवोकेट गम्भीर दास महंत यशवंश सोनवानी रेखा मानिकपुरी संगीता सोनवानी शांति पड़वार मुनेश कुमार बेलिया केश लाल ब्यौहार मनीराम सहित एसकेडीव्ही जिला प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कबीर पंथी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बजाग क्षेत्र में जल संरचनाओं का निरीक्षण, जनभागीदारी पर जोर

डिंडौरी। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने विकासखंड बजाग के ग्राम तांतर, सिलपिड़ी, खम्हेरा, चांड़ा और दादर टोला का दौरा कर मनरेगा के तहत निर्मित एवं निर्माणाधीन जल संरचनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने खेत तालाब, कुएं, हैंडपंप, नल जल योजना, रिचार्ज सेंटर और सोकपिट जैसे कार्यों का जायजा लिया, जो जनभागीदारी से तैयार किए जा रहे हैं।

ग्राम पंचायत चांड़ा में पंचायत भवन परिसर और कूप पर बने सोकपिट का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जल संकट को देखते हुए वर्षा जल संचयन और जल संरचनाओं का निर्माण आवश्यक है। खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में रखने की अवधारणा अपनाकर वर्षा जल को जमीन में रोककर जलस्तर बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने प्रत्येक घर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, हैंडपंप के पास सोकपिट और नालियों के माध्यम से जल संरक्षण के उपाय अपनाने की अपील की।निरीक्षण के दौरान ग्राम तांतर और सिलपिड़ी में वर्ष 2025 में मनरेगा के तहत लगभग 16 लाख रुपये की लागत से निर्मित लालखाती नाला स्थित नवीन तालाब का अवलोकन किया गया। इस तालाब से चांड़ा, तांतर, सिलपिड़ी और दादर टोला के ग्रामीणों को सिंचाई, पशुओं के पेयजल और मछली पालन के माध्यम से रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

कलेक्टर ने ग्राम तांतर स्थित लालखाती नाला के तालाब में ग्रामीणों के साथ श्रमदान कर सफाई भी की। साफ जल और आकर्षक स्वरूप के कारण यह स्थल प्राकृतिक रूप से मनोहारी दिखाई दिया।इस दौरान ग्रामीणों ने पारंपरिक लोकगीत और शैला नृत्य प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने भी महिलाओं के साथ लोकनृत्य में सहभागिता कर उत्साहवर्धन किया।

दूरस्थ ग्राम चांड़ा में कलेक्टर की जनसुनवाई, मौके पर समस्याओं का समाधान

डिंडौरी। जिले के दूरस्थ एवं छत्तीसगढ़ सीमा से सटे बैगाचक क्षेत्र के ग्राम पंचायत चांड़ा में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने मंगलवार को पंचायत प्रांगण में जनसुनवाई आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जिला मुख्यालय से दूरी और आवागमन की कठिनाइयों को देखते हुए कलेक्टर स्वयं मौके पर पहुंचीं, जिससे ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। जनसुनवाई में कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए।इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 144 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में एक्सरे, खून जांच, शुगर, बीपी सहित अन्य रोगों की जांच कर आवश्यकतानुसार उपचार और दवाइयों का वितरण किया गया।जनसुनवाई में ग्राम तांतर, सिलपिड़ी, चांड़ा, सोनतीरथ, ठाड़पथरा और पंडरीपानी सहित आसपास के गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुंचे। विद्युत, पेंशन, पेयजल, आवास, छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सेवाएं, जनमन आवास की अंतिम किस्त, वनग्रामों में पट्टा नामांतरण, बीएसएनएल टॉवर, पशु चिकित्सालय, स्व सहायता समूह ऋण, दिव्यांग प्रमाण पत्र और स्पांसरशिप योजना से जुड़े प्रकरणों का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित

अधिकारियों को निर्देश दिए गए। ग्राम सिलपिड़ी में पेयजल समस्या पर कलेक्टर ने पीएचई विभाग को दो दिवस के भीतर नया हैंडपंप स्थापित करने के निर्देश दिए। दादर टोला की सावनी बाई की समस्या पर एक दिवस के भीतर हैंडपंप स्थापना और नल जल योजना से शेष परिवारों को जोड़ने के निर्देश दिए गए। सावनी बाई गोंडी चित्रकला के लिए जानी जाती हैं और राज्य स्तर पर पहचान बना चुकी हैं।एक अन्य प्रकरण में सुनिया बाई ने पति के निधन के बाद बच्चों के पालन पोषण की समस्या रखी। इस पर कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को स्पांसरशिप योजना के तहत दोनों बच्चों को प्रति माह चार चार हजार रुपये स्वीकृत करने के निर्देश दिए।पशु चिकित्सालय में डॉक्टर की अनुपस्थिति की शिकायत पर कलेक्टर ने संबंधित स्टाफ को तलब कर नाराजगी जताई और नियमित रूप से सुबह 9 बजे सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीणों को अपना संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराया।जनसुनवाई में एसडीएम भारती मेरावी, तहसीलदार भरत सिंह बट्टे, आरईएस के कार्यपालन यंत्री ललित कुमार, उप संचालक कृषि संजय जोशी, पीएचई के कार्यपालन यंत्री अफजल इमाम उल्ला, बीएमओ डॉ. चन्द्रशेखर उइके, बीआरसी डॉ. ब्रजभान गौतम, एनआरएलएम प्रबंधक अर्पणा पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 41 आवेदन प्राप्त, आवास से लेकर अतिक्रमण तक उठे मुद्दे

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले भर से पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। इस दौरान कुल 41 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें आवास योजना, नल जल योजना, रोजगार, उचित मूल्य दुकान, नाली सफाई, पेयजल संकट, शासकीय योजनाओं का लाभ, रास्तों से अतिक्रमण हटाने, निर्माण कार्यों की जांच तथा व्यक्तिगत शिकायतों से जुड़े मामले

प्रमुख रहे।ग्राम पड़रिया डोंगरी की रामबाई ने संबल योजना के तहत सहायता राशि दिलाए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पति के निधन के बाद तकनीकी कारणों से अनुग्रह सहायता के लिए आवेदन नहीं हो पा रहा है। इस पर जिला पंचायत सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर निराकरण के निर्देश दिए।इसी क्रम में सालिक राम साहू ने शासकीय भूमि पर रास्ते के अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि मार्ग अवरुद्ध होने से आवागमन और कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।एक अन्य आवेदन में ग्राम पंचायत स्तर पर कराए गए निर्माण कार्यों में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई। वहीं एक प्रकरण में गांव में मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया गया। आगजनी से प्रभावित एक पीड़िता ने मुआवजा नहीं मिलने की शिकायत करते हुए राहत सहायता की मांग की।जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक, डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन, जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते, डीपीसी श्वेता अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, बुधवार 6 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

नमक के पेकटों में निकल रही रेत

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सोसाइटियों में दो माह का खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। उसके साथ मिलने वाले नमक के पैकटों में नमक की जगह रेत निकल रही है। उपभोक्ताओं ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि लोगों ने नमक जानकर भोजन में डाल दो दिया लेकिन जब भोजन करते समय चरचराई और नमक का स्वाद नहीं मिला तो तत्काल उक्त नमक को पानी में डालकर इसकी जांच की गई तो नमक घुला नहीं। सोसायटी पहुंचने वाले उपभोक्ताओं द्वारा इसकी शिकायतें भी की जा रही है। खाद्य विभाग के अधिकारी इस विषय से अनजान बनें हुए हैं। और उक्त अधिकारी केवल त्यौहारों के समय ही जांच के नाम पर वसूली करने के लिए ही आते हैं वाकी समय नदारत ही पाये जाते हैं इन अधिकारियों को यदि खाद्य सुरक्षा को लेकर यदि जानकारी के लिए कोई फोन भी लगाता है तो फोन भी नही उठाते हैं। तत्काल प्रभाव से इनकी गतिविधियों पर विराम लगाया जाये।

भाजपा को मिली विजय पर कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाइयां

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस आत्मनिर्भर मंडल के उद्देश्य को लेकर मंडल तेन्दूखेड़ा की मासिक कामकाजी बैठक आयोजित की गई। तत्पश्चात बंगाल सहित तीन राज्यों में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय श्री पर उपस्थित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने एक दूसरे को मिठाईयां खिला कर शुभकामनाएं प्रेषित की।

प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य दक्षता वर्ग उद्घाटन समारोह संपन्न

हरिभूमि न्यूज -नरसिंहपुर। सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रांतीय शिशु वाटिका सामान्य दक्षता वर्ग प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन मुख्य अतिथि अवनीश भटनागर उपाध्यक्ष विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रांत एवं क्षेत्र शिशु वाटिका संयोजक प्रभात सिंह, समारोह अध्यक्ष सुनील कोठारी वरिष्ठ अभियंता व समाजसेवी विशिष्ट अतिथि हरिराम तिवारी प्रांत प्रमुख सरस्वती शिक्षा परिषद माननीय महंत पीतमपुरी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष व समाजसेवी व्यवस्थापक धर्मेंद्र सिंह ममार, प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर, राजेंद्र पटेल की गरिमामय उपस्थिति में किया गया।

जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक 8 को

नरसिंहपुर। जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक 8 मई को दोपहर 2:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश ने सभी संबंधितों से बैठक में उपस्थिति के लिए कहा है। बैठक में विगत बैठक का पालन प्रतिवेदन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, विद्युत विभाग, वन विभाग, समस्त निर्माण विभाग जैसे लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग नरसिंहपुर व प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, स्कूल शिक्षा विभाग और अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों से संबंधित समीक्षा एवं चर्चा की जाएगी।

नावों एवं जलयानों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए आदेश जारी

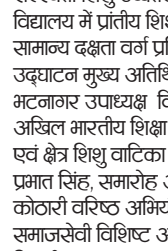

हरिभूमि न्यूज -नरसिंहपुर। जिले में प्रवाहित नदियों में नौका संचालन के दौरान जनसामान्य की सुरक्षा की दृष्टि से नरसिंहपुर जिले की सीमा के अंतर्गत नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों पर संचालित होने वाली नावों एवं जलयानों में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने राज्य शासन के गृह विभाग एवं आपदा प्रबंधन नियमों के तहत जन सामान्य की सुरक्षा हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। जारी आदेश के मुताबिक जिले के समस्त घाटों पर संचालित होने वाली प्रत्येक नाव में यात्रियों की निर्धारित संख्या के अनुसार लाईफ जैकेट रखना अनिवार्य होगा।

प्रशासन की व्यवस्थाओं पर भी उठे सवाल

इथेनॉल प्लांट का टैंक गिरने से दो की मौत

मृतकों के परिजनों को फैक्ट्री संचालक ने दिए दो -दो लाख रुपए

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

बीती रात जिले के बचई स्थित महाकौशल शुगर मिल परिसर के इथेनॉल प्लांट में एक हृदयविदारक हादसा घटित हुआ। रात करीब 1:30 बजे प्लांट का विशालकाय डीडीएस टैंक अचानक भरभरा कर गिर गया। टैंक की चपेट में आने से वहां कार्यरत दो श्रमिकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान जगदीश यादव उम्र 32 वर्ष, निवासी खापा शेढ़ तथा पवन ठाकुर उम्र 30 वर्ष, निवासी सिलवानी के रूप में हुई है। हादसा इतना भीषण था कि एक श्रमिक का शव दो हिस्सों में विभक्त हो गया जिसे देख प्रत्यक्षदर्शियों हाथ पांव कांप उठे। वही उक्त घटना के बाद फैक्ट्री संचालक नबाव रजा द्वारा मृतकों के परिवार को अंत्येष्टि सहायता के लिए 25 हजार रूपए एवं परिजनों को दो लाख रूपए की राशि दी गई तथा बीमा की राशि भी दिलाई जाने की बात कही साथ परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की बात कही फैक्ट्री संचालक ने परिजनों से घर जाकर मुलाकात कर सहायता राशि दी तथा परिजनों को ढढंस बधाया।

पुलिस की झूठी वाहवाही

हादसे के बाद पुलिस ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य प्रारंभ करने का दावा कर अपनी पीठ थपथपाई है। किंतु सूत्रों और चश्मदीदों ने पुलिस के इन दावों की हवा निकाल दी है। वास्तविकता यह है कि मलबे में दबे शवों को निकालने के लिए फैक्ट्री के ही हाइड्रा का उपयोग किया गया और फैक्ट्री की निजी एम्बुलेंस से ही उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जब संपूर्ण बचाव कार्य फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा किया गया, तो पुलिस विभाग झूठी वाहवाही लूटकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने का प्रयास क्यों कर रहा है पुलिस के अनुसार यदि राहत कार्य किया गया तो उसमें स्पष्ट करना चाहिए था कि उक्त टैंक की चपेट मे और भी लोग थे जिन्हे पुलिस द्वारा बाहर निकाला गया या अन्य कोई बात शामिल की जानी चाहिए थी प्रेस नोट के अनुसार पुलिस ने क्या राहत कार्य किया उसका विवरण पूरा नही है।

श्रम विभाग कार्यप्रणाली पर भी सवाल

बचई स्थित एथेनॉल प्लांट मे हुए हादसे के बाद प्रशासन तथा श्रम विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए। इस हादसे ने एक बार फिर जिला श्रम विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है। यह पहली बार नहीं है जब जिले में श्रमिकों का खून बहा हो। इसके पूर्व करेली की ट्रिली प्लाईवुड फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में भी चार श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए थे। यदि उस समय श्रम विभाग ने कड़े कदम उठाए होते और जिले की सभी औद्योगिक इकाइयों का सुरक्षा ऑडिट किया होता, तो आज बचई में दो और मजदूरों की बलि न चढ़ती। सूत्रों के अनुसार बचई एथेनॉल प्लांट की मशीन में पिछले एक सप्ताह से तकनीकी खराबी थी, फिर भी विभाग की नाक के नीचे मरम्मत का जोखिम भरा कार्य बिना सुरक्षा मानकों के जारी रहा।

जिले में श्रमिकों का हो रहा भरपूर शोषण

जिले में केवल फैक्ट्रियां ही नहीं, बल्कि भवन निर्माण का क्षेत्र भी असुरक्षित है। हजारों ठेकेदार बिना श्रम विभाग में पंजीयन कराए और बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के श्रमिकों से जानलेवा कार्य करा रहे हैं। श्रम विभाग की इस निरंतर उदासीनता ने ठेकेदारों और फैक्ट्री मालिकों के हौसले बुलंद कर दिए हैं, जिससे जिले का निर्धन श्रमिक वर्ग केवल सस्ता श्रम बनकर रह गया है। मृतक जगदीश यादव अपने वृद्ध माता-पिता का इकलौता सहारा था और महज तीन महीने पहले ही उसने यहां नौकरी शुरू की थी। उसकी असमय मृत्यु ने परिवार को निराश्रित कर दिया है। प्रश्न यह है कि क्या फैक्ट्री प्रबंधन और लापरवाह श्रम अधिकारी इस अपूरणीय क्षति की भरपाई कर पाएंगे? फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है, लेकिन क्षेत्र की जनता अब केवल जांच नहीं, बल्कि दोषियों पर सख्त आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग कर रही है।

2 मदिरा दुकानों में अनियमितता पाए जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में और जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में आबकारी बल द्वारा वृत्त करेली में सोमवार को दबिश की कार्यवाही की गई। आबकारी बल द्वारा वृत्त करेली के अंतर्गत कुचबंदिया मोहल्ला करेली में दबिश के दौरान 7 लीटर कच्ची हाथ भट्टी अवैध मदिरा एवं 665 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर

आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 की धारा 34 (1) (क) (च) के तहत 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इसी दौरान वृत्त करेली के अंतर्गत 2 मदिरा दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में दुकानों पर पाई गई अनियमिताओं के लिए संबंधित लायसेंसियों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान सहायक जिला आबकारी रवींद्र जैन, आबकारी उपनिरीक्षक सतीश कुमार, आकांक्षा धनोतिया, आब. मुख्य आर. सदर सिंह बरकड़े, आब.आर. नवल सिंह ठाकुर, ब्रिज किशोर सोनी, दीपांश चैकसे मौजूद थे।

जनसुनवाई में आये 80 आवेदन

हरिभूमि न्यूज -नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 80 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला पंचायत सीईओ गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

कॉलेज चलो अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस शिक्षण संस्थान एम.आई.एम.टी. कॉलेज द्वारा मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान के तहत वालंटियर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य अतिथि इंजी. रुद्रेश तिवारी चेयरमैन एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार गर्ग प्राचार्य, विशिष्ट अतिथि इंजी. नेतराम पटेल संचालक एमडिल इनोवेशन कंपनी एवं डॉ. एस.एन. राव की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजी. तिवारी ने छात्र-छात्राओं की उत्कृष्ट शिक्षा के लिए महाविद्यालय द्वारा किए जा रहें सामूहिक प्रयासों तथा छात्र-छात्राओं की समस्याओं के निदान पर चर्चा पर बल दिया। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. गर्ग द्वारा स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए प्रवेश प्रक्रिया, महाविद्यालय की गतिविधियों तथा उपलब्धियों, कोर्स एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। विशिष्ट अतिथि इंजी. पटेल द्वारा रोजगारोन्मुखी शिक्षा, व्यक्तित्व विकास एवं कौशल विकास जैसे विषयों को समाहित करते हुए नवाचार एवं प्रवेश हेतु नेटवर्किंग पर प्रकाश डाला। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन सरस्वती पूजन से किया गया। छात्रा रितिका यादव, सोनिया सिलावट ने सुमधुर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक द्वय सुश्री दीक्षा केवट, सुश्री नंदिनी विश्वकर्मा एवं आभार डॉ दीपिका शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमती अनीता रघुवंशी, जी. डी. उमरे, हेमराज सेन, सुश्री दीक्षा तोमर सहित एम.आई.एम.टी. स्टॉफ मेम्बर्स एवं छात्र-छात्राओं की विषेष उपस्थिति रहीं।

शटल चलाने में क्यों हीलाहवाली? वर्षों से बंद गरीबों की हमसफर ट्रेन का इंतजार, मेमू से नहीं हो रही यात्रियों की जरूरत पूरी, यात्रियों की मांग: शीघ्र शुरू हो शटल सेवा, स्व. हरि विष्णु कामथ की स्मृति से भी जुड़ा है मामला

गोटेगांव। क्षेत्र के हजारों दैनिक यात्रियों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों, विद्यार्थियों और ग्रामीण गरीब परिवारों की जीवनरेखा रही शटल ट्रेन वर्षों से बंद पड़ी है, लेकिन रेलवे मंत्रालय अब तक इसे दोबारा शुरू करने को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा। कोरोना काल के दौरान अस्थायी रूप से बंद की गई इस ट्रेन को "कुछ दिन बाद पुनः चालू" करने का भरोसा दिया गया था, किंतु कई वर्ष बीत जाने के बाद भी यह गरीबों की हमसफर ट्रेन पटरियों पर नहीं लौट सकी है। इससे आम यात्रियों में भारी नाराजगी है।शटल ट्रेन बंद होने के बाद रेलवे द्वारा इसके स्थान पर चार से पांच डिब्बों वाली मेमू ट्रेन चलाई जा रही है, लेकिन यह व्यवस्था यात्रियों की संख्या के सामने पूरी तरह नाकाफी साबित हो रही है। प्रतिदिन सुबह और शाम के समय ट्रेन में इतनी भीड़ रहती है कि यात्रियों को ठूंस-ठूंसकर यात्रा करनी पड़ती है। हालत यह है कि कई लोग दरवाजों पर लटककर सफर करने को मजबूर हैं, तो कई यात्रियों को खड़े रहने तक की जगह नहीं मिलती। महिलाएं, बुजुर्ग, छात्र और श्रमिक वर्ग सबसे ज्यादा परेशान हैं।स्थानीय यात्रियों का कहना है कि शटल ट्रेन केवल एक रेल सेवा नहीं थी, बल्कि यह गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए सस्ती, सुविधाजनक और भरोसेमंद यातायात

व्यवस्था थी। गोटेगांव सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग इसी ट्रेन के माध्यम से रोजमर्रा के काम, मजदूरी, पढ़ाई और इलाज के लिए आवागमन करते थे। शटल बंद होने के बाद लोगों का सफर महंगा भी हुआ है और कष्टदायक भी।यात्रियों के बीच यह सवाल लगातार उठ रहा है कि जब केंद्र और राज्य की सरकारें हर मंच से गरीब हितैषी होने का दावा करती हैं, तो फिर गरीबों की सबसे उपयोगी रेल सेवा को दोबारा शुरू करने में इतनी हीलाहवाली क्यों की जा रही है? यदि रेलवे के पास मेमू चलाने की व्यवस्था है तो पूर्ण क्षमता वाली शटल सेवा बहाल करने में आखिर बाधा क्या है—यह प्रश्न अब जनचर्चा का विषय बन चुका है।यह शटल ट्रेन क्षेत्र के तत्कालीन सांसद स्वर्गीय हरि विष्णु कामथ की विशेष पहल और जनहित सोच की पहचान मानी जाती थी। उन्होंने गरीब, श्रमिक और दैनिक यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस सेवा को क्षेत्र को दिलाया था। यही कारण है कि लोग इसे उनकी जनसेवा की जीवंत निशानी मानते हैं। अब इस ट्रेन का वर्षों से बंद रहना लोगों को उनकी उपेक्षा जैसा महसूस करा रहा है। नागरिकों का कहना है कि यदि रेलवे मंत्रालय स्व. कामथ को सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहता है तो इस ट्रेन को पुनः शुरू करे।कई सामाजिक संगठनों और यात्रियों ने सुझाव दिया है कि शटल सेवा को दोबारा प्रारंभ कर स्व. हरि विष्णु कामथ की स्मृति में इसका नाम परिवर्तित कर "श्रद्धांजलि एक्सप्रेस" अथवा उनके नाम से जोड़ा जा सकता है। इससे एक ओर जहां जननायक को सम्मान मिलेगा, वहीं दूसरी ओर गरीब वर्ग को फिर से राहत मिल सकेगी।क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शटल बंद होने के बाद सबसे अधिक नुकसान उस गरीब तबके को हुआ है जो वर्षों से इसी ट्रेन के सहारे अपनी रोजी-रोटी, शिक्षा और इलाज की जरूरतें पूरी करता था। आज भी स्टेशन पर खड़े अनेक यात्रियों की जुबान पर एक ही सवाल रहता है।

उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को हो रही परेशानियों को लेकर सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। मंगलवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के द्वारा उपार्जन केन्द्रों पर हो रही विभिन्न समस्याओं के चलते अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन कलेक्टर के नाम तेंदूखेड़ा एस डी एम को सौंपा है जिसमें उल्लेख किया गया है कि राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ नरसिंहपुर मांग करता है कि गेहूं चना मसूर का उपार्जन केन्द्र चालू है। लेकिन किसानों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिनको तत्काल प्रभाव से दूर किया जाए। किसानों ने कहा है कि उपार्जन केंद्रों में तौल कांटों की संख्या बढ़ाई जाए। और तौल प्रक्रिया की गति भी बढ़ाई जाए एवं किसानों की ट्रैकिंग की उचित व्यवस्था की जाए। समय सीमा में तुलाई कराई जाए। उपार्जन केंद्रों पर एफ ए क्यू के नाम पर किसानों को परेशान कर माल को रिजेक्ट कर दिया जाता है। तथा अधिक तौल की जाती है जिससे किसानों को मजबूरी में कम दामों पर माल बेचना पड़ता है। जिसकी उचित जांच व्यवस्था की जाए। किसानों का अनाज गेहूं चना मसूर ट्रांसपोर्ट की समुचित व्यवस्था की जाए ।समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए।सरकार द्वारा बनाई गई नीति में जल्द सुधार नहीं होता है तो किसान मजदूर समाज को आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा । खाद के लिए किसानों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है जिसकी उचित व्यवस्था की जाए व ई टोकन बंद किया जाए तेंदूखेड़ा से गाडरवारा सड़क मार्ग के शोल्डर पर साइड पट्टी बनाई जा रही है जिससे आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। जिसमें पीली मिट्टी डाली जा रही है। बरसात के दिनों में दुर्घटना का कारण बनेगी यहां पर मिट्टी की जगह मुरमा डाली जाये इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए। यदि समय रहते तत्काल प्रभाव से सुधार नहीं हुआ तो किसान आंदोलन करने के लिए मजबूर हो होंगे।

कायस्थ समाज द्वारा बरगी डैम घटना के प्रति शोक संवेदना

गोटेगांव। किसानी मोहल्ला में श्री देव भूतेश्वर महादेव मंदिर में कायस्थ समाज की महिलाओं द्वारा गौरा मैया की पूजन के उपरांत बरगी डैम में हुई दुखद घटना के प्रति गहन शोक संवेदना व्यक्त की गई। सभी उपस्थित महिलाओं ने दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु मौन धारण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।सावधानी ही सुरक्षा — भविष्य में इन बातों का रखें ध्यानइस अवसर पर महिलाओं ने जल-पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा को लेकर जागरूकता भी व्यक्त की।सभी ने सामूहिक रूप से यह आग्रह किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव हेतु—किसी भी नाव, क्रूज या जलयान में यात्रा करते समय उत्तम गुणवत्ता की लाइफ जैकेट अनिवार्य रूप से पहननी चाहिए।यात्रियों की संख्या क्षमता से अधिक नहीं होनी चाहिए और संचालक द्वारा सुरक्षा नियमों का पालन कराया जाना चाहिए।किसी भी जल क्षेत्र में फोटो, सेल्फी या ऊँचे-नीचे स्थानों पर खड़े होकर जोखिम उठाने से बचना चाहिए।प्रशासन और संचालकों को नियमित रूप से सुरक्षा उपकरणों की जांच करनी चाहिए ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।सभी महिलाओं ने कहा कि जन-जागरूकता बढ़ाना ही ऐसी घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।सहभागी मातृशक्तिइस आयोजन में विशेष रूप सेसुमन श्रीवास्तव, मणिकांता श्रीवास्तव, कल्पना श्रीवास्तव, स्नेहलता श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव, आरती खरे, सुनीता श्रीवास्तव, पूनम श्रीवास्तव, प्रांजल श्रीवास्तव, आशा श्रीवास्तव, रंजीता श्रीवास्तव, अनामिका श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव, वैजयंती बरुआ, आकांक्षा श्रीवास्तव, सरोज श्रीवास्तव, श्रद्धा वर्मा, मोना विश्वकर्मा, मंजुला गुप्ता, प्रभा विश्वकर्माआदि महिलाओं ने सहभागिता की।

नगर पालिका की अर्थव्यवस्था डगमगाई, आर्थिक स्थिति डांवाडोल

ठेकेदारों के भुगतान अटके, कर्मचारियों के वेतन लंबित; फिर भी जारी हैं निर्माण कार्य, उठे सवाल

गोटेगांव।

नगर पालिका परिषद गोटेगांव इन दिनों आर्थिक अव्यवस्था और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर चर्चाओं के केंद्र में है। पालिका की माली हालत इतनी खराब बताई जा रही है कि ठेकेदारों, समाचार पत्रों एवं मीडिया संस्थानों के बकाया भुगतान के साथ-साथ कर्मचारियों के दो माह के वेतन तक लंबित पड़े हुए हैं। हैरानी की बात यह है कि भुगतान के लिए धनाभाव का हवाला दिया जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर नगर में निर्माण कार्य लगातार जारी हैं। इससे पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं।नगर पालिका से जुड़े सूत्रों के अनुसार कई ठेकेदारों का वर्षों पुराना भुगतान अटका हुआ है। मीडिया संस्थानों के बिलों का भी समुचित निराकरण नहीं हो पा रहा, जबकि पालिका कर्मचारियों को भी समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा है। कर्मचारियों में इसे लेकर असंतोष का माहौल है। कर्मचारियों का कहना है कि दो माह का वेतन लंबित होने से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पालिका प्रशासन स्वयं यह कह रहा है कि "नगर पालिका के पास पैसा नहीं है", तो फिर नगर में सीसी रोड निर्माण, नालियों का निर्माण, पाइप लाइन मरम्मत एवं रखरखाव जैसे कार्य किस आधार पर निरंतर कराए जा रहे हैं। यदि भुगतान की क्षमता नहीं है तो निर्माण कार्यों की इतनी तेजी आखिर क्यों बनी हुई है? क्या ये कार्य उधारी पर हो रहे हैं या फिर इसके पीछे कोई और कारण है—यह अब जनचर्चा का विषय बन चुका है।विश्वस्त सूत्रों की मानें तो हाल ही में आयोजित लोक अदालत के माध्यम से लगभग 15 लाख रुपए की राजस्व वसूली भी नगर पालिका को प्राप्त हुई थी। इसके बावजूद आर्थिक संकट जस का तस बना हुआ है। ऐसे में यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि आखिर पालिका के खाते में आने वाली राशि खर्च कहां हो रही है।नाम न छापने की शर्त पर कुछ लोगों ने यह भी आरोप लगाए हैं कि निर्माण कार्यों में जनप्रतिनिधियों और ठेकेदारों के बीच कमीशन का खेल सेट रहता है, जिसके चलते भुगतान संकट के बावजूद निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन नगर में यह चर्चा जोर पकड़ती जा रही है।नगरवासियों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो ठेकेदारों का भरोसा टूटेगा, मीडिया संस्थानों का सहयोग प्रभावित होगा और कर्मचारियों में असंतोष बढ़ेगा, जिसका सीधा असर नगर की मूलभूत सेवाओं पर पड़ेगा। ऐसे में नगर पालिका की वर्तमान वित्तीय स्थिति की निष्पक्ष जांच आवश्यक हो गई है।नगर की जनता अब शासन और जिम्मेदार विभागों से मांग कर रही है कि नगर पालिका परिषद गोटेगांव की आय-व्यय, बकाया भुगतान, निर्माण कार्यों की स्वीकृति तथा वित्तीय प्रबंधन की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके और दोषियों पर कार्रवाई हो।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं विजय सिंह ठाकुर आ. श्री बाबूलाल ठाकुर निवासी बहोरीपार (कला) तहसील व नरसिंहपुर। यह कि मेरी पुत्री का जन्म दिनांक जन्म 04.07.2007 को रेवाश्री नर्सिंग होम जिला नरसिंहपुर में हुआ था नगर पालिका से जारी जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश पुत्री का नाम प्रांशी पिता विजय सिंह ठाकुर एवं माता पूनम ठाकुर दर्ज हो गया है। जबकि पुत्री का सही नाम संयोगिता ठाकुर है जो अन्य सभी दस्तावेजों में दर्ज है। जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री का नाम प्राशी के स्थान पर संयोगिता ठाकुर दर्ज करवाने हेतु शपथपत्र पेश कर रहा हूं।

गलत नाम - प्रांशी ठाकुर
सही नाम - संयोगिता ठाकुर
(SAINYOGITA THAKUR)
शपथकर्ता